

---

shivalochanastutiH

शिवलोचनस्तुतिः

Document Information

---

Text title : shivalochanastutiH

File name : shivalochanastutiH.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1 newer, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar, stotrasankhya 225

Latest update : March 25, 2017

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

शिवलोचनस्तुतिः

---



श्रीगणेशाय नमः ॥

जयति ललाटकटाक्षः शशिमौलेः पक्षमलः प्रियप्रणतौ ।  
धनुषि स्मरेण निहितः सकण्टकः केतकेपुरिव ॥ १ ॥

सानन्दा गणगायके सपुलका गौरीमुखाम्भोरुहे  
सक्रोधा कुसुमायुधे सकरुणा पादानते वज्रिणि ।  
सस्मेरा गिरिजासखीषु सनया शैलाधिनाथे वहन्-  
भूमीन्द्र प्रदिशन्तु शर्म विपुलं शम्भोः कटाक्षच्छटाः ॥ २ ॥

एकं ध्याननिमीलनान्मुकुलितं चक्षुर्द्वितीयं पुनः  
पार्वत्या वदनाम्बुजस्तनतटे शृङ्गारभारालसम् ।  
अन्यद्दूरविकृष्टचापमदनक्रोधानलोदीपितं  
शम्भोर्भिन्नरसं समाधिसमये नेत्रत्रयं पातु वः ॥ ३ ॥

पक्षमालीपिङ्गलिम्नः कण इव तडितां यस्य कृत्स्नः समूहो  
यस्मिन् ब्रह्माण्डमीषद्विघटितमुकुले कालयज्वा जुहाव ।  
अर्चिर्निष्टप्तचूडाशशिगणितसुधाघोरझाङ्कारकोणं  
तार्तीयं यत्पुरारेस्तदवतु मदनप्लोषणं लोचनं वः ॥ ४ ॥

इति शिवलोचनस्तुतिः सम्पूर्णा ।

Proofread by PSA Easwaran

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

